स्पाइस मनी से जुड़कर अंजू बनीं परिवार की पालनहार

पटना (आससे)। भारत की आर्थिक प्रगति के साथ शहरी, और ग्रामीण स्तर पर महिला उद्यमिता और कार्यबल में उनका प्रतिनिधित्व हमारे देश का टॉप एजेंडा है। पीरिआडिक लेबर फोर्स सर्वे पीएलएफएस (२०१७-१८) के अनुसार, १५ वर्ष या इससे ज्यादा आयु-वर्ग में ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की बेरोजगारी दर ३.८ और पुरूषों की ५.७ थी, जबकि शहरी क्षेत्रों में महिलाओं और पुरूषों की बेरोजगारी दर क्रमशः १०.८ और ६.९ थी। नियमित मजदूरी, वेतन वाले कर्मचारियों में महिला कर्मियों की औसत मजदूरी, वेतन ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में अभी भी पुरूष कर्मियों से कम है। सार्वजनिक कार्यों से अलग कामों में लिप्त अनौपचारिक श्रमिकों द्वारा प्रतिदिन की जाने वाली औसत कमाई में भी यही चलन देखा गया।

बेगूसराय, बिहार की एक युवा स्टूडेंट, अंजू कुमारी को पढ़ने का जुनून था, लेकिन पिछले साल महामारी के आने से उन्हें कुछ परेशानियां हुई। उनके परिवार में केवल उनके पिता ही कमाते थे और पिता की कमाई परिवार के लिये काफी नहीं थी। संसाधनों और धन के अभाव के कारण अंजू को अपने कैरियर और जिन्दगी की चिंता थी। वह इंटरनेट पर इसका उपाय ढूंढ रही थीं, तब उन्हें स्पाइइस मनी की जानकारी मिली। स्पाइस मनी भारत की अग्रणी ग्रामीण फिनटेक कंपनी है, जो भारत के युवाओं को डिजिटल और आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है। यह कंपनी आजीविका कमाने के इच्छुक लोगों को उद्यमिता के अवसर देती है। अपने मजबूत टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल कर स्पाइस मनी विभिन्न वित्तीय सेवाओं की पेशकश करती है, जिनमें लोगों को अपने नजदीकी किराना स्टोर पर अपने बैंक खातों से तुरंत, सुविधाजनक और किफायती ढंग से लेन-देन की सुविधा प्रदान करना सम्मिलित है। स्पाइस मनी अपनी सेवाएं अपने ७ लाख से ज्यादा अधिकारियों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से प्रदान करती है। उपभोक्ता नगद निकासी, जमा और विप्रेषण के अलावा बिलों का भुगतान, यात्रा के लिये टिकट खरीदना, बीमा, सरकारी सेवाएं, आदि जैसी अनेक अन्य सेवाएं भी प्राप्त कर सकते है। स्पाइस मनी के सभी एजेंट्स को अधिकारी कहा जाता है और उन्हें केवल एक स्मार्टफोन और इंटरनेट कनेक्शन की जरूरत होती है।

इस ऐप की आसानी और स्वरोजगार के अवसर ने अंजू को भी आकर्षित किया।

अंजु को स्पाइस मनी के साथ काम करते हुए लगभग एक साल हो चुका है और वह न केवल पढ़ाई पर ध्यान दे रही है और अपने परिवार की आर्थिक मदद कर रही हैं, बल्कि बुकिंग और सरकारी आईडी कार्ड मेकिंग सर्विसेस से मदद देती हैं। अंजु सभी बाधाओं से जीतकर और हीरो बनकर उभरी हैं। वह कहती हैं, स्पाइस मनी एक आशीर्वाद के रूप में आया, जिसने इतने कठिन समय में भी मुझे हार नहीं मानने दी।